Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 22nd Dec S1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-12-22 15:28:33
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	20129850
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298110
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 201298110
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012981175 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
जीवन में भगवान सबको समान अवसर देते हैं। कुछ लोग इन अवसरों की गंभीरता समझते हुए इन अवसरों का लाभ उठाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी होते है जो हमेशा भगवान के भरोसे रहते है और बस इंतजार करते रह जाते हैं। एक बार का बात है एक नदी के पास ही एक शहर था जहां पर सभी लोग सुख से जीवन बिता रहे थे।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 20129851
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 201298111
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298111
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012981176 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

विजयनगर साम्राज्य द्वारा तालिकोट का युद्ध हारने के कई कारण थे। इसको समझने के लिए पहले इतिहास का कुछ ज्ञान होना चाहिए। उत्तर भारत में इतिहास की पुस्तकों में विजयनगर साम्राज्य के बारे में संभवतः बहुत कम जानकारी है। मुगलों के बारे में तो सब जानते ही हैं, क्योंकि बाहरवीं कक्षा तक की पुस्तकों में तो बहुत सारे अध्याय उनके बारे में थे लेकिन तालिकोट के युद्ध के बारे में बहुत कम ही लोग जानते होंगे। कृष्णदेवराय का नाम तो आपने सुना ही होगा। यह भारत के महान राजा थे, या यूं कहना भी गलत नहीं होगा कि वे वह भारत के अत्युत्तम शासकों में एक थे। जब यह राजा थे, तब विजयनगर साम्राज्य पूरे विश्व भर में समृद्ध राज्य था। आप गूगल कीजिए, कई विदेशी यात्रियों ने इस साम्राज्य के बारे में और श्री कृष्णदेवराय के बारे में लिखा है। जब तक इन्होंने राज्यभार संभाला, इनका राज्य बहुत सुरक्षित और समृद्ध रहा था। इनके बाद आए एक और राजा के समय तक भी राज्य अच्छी तरह से सुरक्षित था। जब कृष्णदेवराय के दामा रामराय राज्यभार संभालने लगे तब भी एक हद तक ठीक ठाक ही था। कुछ गलत नीतियां रामराय के तालिकोट की हार का कारण हो सकती हैं। रामराय चतुर था, जब सारे दखन सुल्तानों के बीच अधिकार के लिए संघर्ष हुआ करते थे, तब रामराय एक बार एक सुल्तान को समर्थन देता था, तो दूसरी बार दूसरे को। ऐसे ही कुछ साल गुजर गये। एक बार सभी सुल्तानों ने इकट्ठे होकर आपस में बात की कि यह रामराय तो हमें मूर्ख बना रहे हैं और उपाय किया कि विजचनगर पर एक साथ धावा करेंगे। दूसरा और बहुत ही खास कारण यह भी है कि रामराय ने दो गिलानी भाइयों को अपनी सेना का सेनानायक बना करके बहुत बडी भूल कर दी। ये दोनों मुसलमान थे और वो हिंदू साम्राज्य के लिए काम करने लगे थे। ये दोनों पहले पहले बीजापुर के सुल्तान की सेना में सेनानायक थे। रामराय ने अपने पुराने सेनापति को सेना से निकाल दिय था। युद्ध के समय यह दोनों गिलानी भाई सुल्तान से जा मिले, और रामराय को बंदी बनाकर उसका सर काट दिया गया, उसी समय से विजयनगर का राजधानी हंपी का विध्वंस होना शुरू हो गया। तीसरा कारण यह है कि विजयनगर साम्राज्य में अश्चारो ही सेना की कमी थी और कुछ सौ हाथी थे। सुल्तानों के पास हाथी नहीं थे और प्रचुर अश्चारो ही सेना थी। सुल्तानो की सेना में अश्चारो ही ज्यादा होने के कारण सेना के अधिकारी सेना को जल्दी दिशा-निर्देश जल्दी पहुंचा दिया करते थे। चौथा कारण यह है कि विजयनगर की सेना के मुख्य सेनाधिपति और सेनानायकों की आयु बहुत ज्यादा थी। खासकर रामराय एवं उसके शत्रुओं के सेनानायकों की आयु में अत्यधिक अंतर होना भी पराजय का एक कारण हो सकता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes